Core Humanitarian Standard

गुणवत्ता और जवाबदेही पर मुख्य मानवीय मानक

2024 संस्करण

© सर्वाधिकार सुरक्षित. गुणवत्ता और जवाबदेही पर मुख्य मानवीय मानक (सीएचएस) एक खुला मानक है, जिसे यथासंभव अधिक से अधिक हितधारकों द्वारा उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। सामग्री का कॉपीराइट सीएचएस एलायंस, ग्रुप यूआरडी और स्फीयर के पास है। कॉपीराइट धारक प्रशिक्षण, अनुसंधान और कार्यक्रम गतिविधियों सहित शैक्षिक उद्देश्यों के लिए इसके पुनरुत्पादन का स्वागत करते हैं, बशर्ते कि सीएचएस को मान्यता दी गई हो। सीएचएस के सभी या किसी भी हिस्से का अनुवाद या अनुकूलन करने के लिए, chs@chsalliance.org पर ईमेल करके लिखित अनुमति प्राप्त की जानी चाहिए।

यह अंग्रेज़ी में मूल संस्करण का अनौपचारिक अनुवाद है। इस प्रकाशन का स्वैच्छिक और स्वतंत्र रूप से अनुवाद स्फीयर इंडिया एवं प्लान इंडिया द्वारा किया गया है। इस अनुवाद के लिए सीएचएस संरक्षक उनके आभारी हैं। हालांकि, सीएचएस टीम इस अनुवाद की गुणवत्ता और सटीकता के लिए जिम्मेदार नहीं है।

दूसरा संस्करण : 2024

विषयसूची

परिचय 02

नौ प्रतिबद्धताएँ 04

संकट और असुरक्षित स्थिति में फंसे लोग और समुदाय...

1. अपने अधिकारों का प्रयोग कर सकते हैं और उन कार्यों और निर्णयों में भाग ले सकते हैं जो उन्हें प्रभावित करते हैं। 06
2. अपनी विशेष आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुसार समय पर और प्रभावी समर्थन प्राप्त कर सकते हैं। 07
3. संभावित संकटों के लिए बेहतर तैयार होते हैं और अधिक लचीले होते हैं। 08
4. ऐसा समर्थन प्राप्त करते हैं जो लोगों या पर्यावरण को हानि नहीं पहुँचाता। 09
5. सुरक्षित रूप से अपनी चिंताओं और शिकायतों की रिपोर्ट कर सकते हैं और उन्हें संबोधित करवा सकते हैं। 10
6. समन्वित और पूरक समर्थन प्राप्त कर सकते हैं। 11
7. ऐसा समर्थन प्राप्त करते हैं जो प्रतिक्रिया और सीख पर आधारित होकर लगातार अनुकूलित और सुधारा जाता है। 12
8. ऐसे कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के साथ बातचीत करते हैं जो सम्मानजनक, सक्षम और अच्छी तरह से प्रबंधित होते हैं। 13
9. उम्मीद कर सकते हैं कि संसाधनों का प्रबंधन नैतिक और जिम्मेदारीपूर्वक किया जाएगा। 14

शब्दकोष 16

परिचय

गुणवत्ता और जवाबदेही पर मुख्य मानवीय मानक (सीएचएस) संकट और असुरक्षा से प्रभावित लोगों और समुदायों को सम्मानपूर्वक और गरिमामय तरीके से समर्थन देने के लिए नौ प्रतिबद्धताओं की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। ये प्रतिबद्धताएँ यह सुनिश्चित करती हैं कि संगठनों द्वारा दी जा रही सहायता न केवल उनके अधिकारों का सम्मान करे, बल्कि संकट के समाधान में उनकी मुख्य भूमिका को भी सशक्त बनाए और बढ़ावा दे।

सीएचएस एक वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त मापने योग्य मानक है, जो लोगों और समुदायों तथा उन्हें सहायता देने वाले संगठनों के बीच न्यायसंगत और सहयोगात्मक संबंधों को बढ़ावा देने का कार्य करता है। इसका मुख्य उद्देश्य शक्ति असंतुलन को कम करना है, ताकि सहायता प्राप्त करने वाले लोगों की गरिमा और अधिकारों का सम्मान किया जा सके। यह उन सभी व्यक्तियों और संगठनों के लिए प्रासंगिक और लागू होता है, जो व्यक्तिगत या सामूहिक रूप से संकटग्रस्त लोगों और समुदायों को सहायता प्रदान करने के लिए काम करते हैं। इसे एक ढांचे के रूप में निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए प्रयोग किया जा सकता है:

- लोगों और समुदायों को इस प्रकार सशक्त बनाना कि वे अपनी सहायता करने वाले संगठनों को जवाबदेह ठहरा सकें।
- संगठनों के कार्यों की गुणवत्ता और जवाबदेही में निरंतर सुधार करना।
- संगठनों के प्रदर्शन का मूल्यांकन और सत्यापन करना, और उन्हें सीएचएस की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की दिशा में सीखने और प्रगति करने में सहायता प्रदान करना।
- गुणवत्ता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए सामूहिक प्रयासों को बढ़ावा देना और सहयोग को प्रोत्साहित करना।

सीएचएस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त मानवता, निष्पक्षता, स्वतंत्रता और तटस्थता के मानवीय सिद्धांतों पर आधारित है। यह स्फीयर मानवीय चार्टर पर आधारित है, जो हर व्यक्ति के सम्मानपूर्वक जीवन जीने, सहायता प्राप्त करने और सुरक्षा का अधिकार सुनिश्चित करता है। मानवीय संकटों में कार्यरत संगठनों को स्फीयर के न्यूनतम मानकों और अन्य संबंधित मानकों के साथ-साथ सीएचएस को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, ताकि संकटग्रस्त लोगों को सर्वोत्तम समर्थन मिल सके।

सीएचएस यह भी स्पष्ट करता है कि संकटों से प्रभावित लोगों की सुरक्षा और सहायता प्रदान करना मुख्य रूप से राज्यों और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है, और उन्हें इस जिम्मेदारी को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए प्रेरित करता है।

नौ प्रतिबद्धताएँ बताती हैं कि संकट और असुरक्षा की स्थितियों में लोग और समुदाय उन लोगों से क्या उम्मीद कर सकते हैं जो उनका सहयोग करते हैं। ये प्रतिबद्धताएँ एक दूसरे की पूरक और सीएचएस के सभी आवश्यक तत्व हैं। प्रत्येक प्रतिबद्धता के साथ ऐसी आवश्यकताएँ भी हैं जो वर्णित करती हैं कि लोगों और समुदायों का सहयोग करते समय इसे पूरा करने के लिए क्या किया जाना चाहिए।

सीएचएस लागू करना

सीएचएस की नौ प्रतिबद्धताओं और उससे जुड़ी आवश्यकताओं को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, संगठनों के पास इसे व्यवस्थित रूप से लागू करने के लिए आवश्यक सहायक वातावरण होना चाहिए।

इसका अर्थ है कि संगठन की गुणवत्ता और जवाबदेही की संस्कृति केवल एक आदर्श न बनकर, उसके सभी स्तरों, कार्यों और दृष्टिकोणों में पूरी तरह समाहित होनी चाहिए। यह संस्कृति संगठन के मूल्यों, कार्यप्रणाली, और हितधारकों के साथ संवाद में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होनी चाहिए। इन कार्यप्रणालियों और दृष्टिकोणों की नींव संगठन के मिशन, उसके कार्यक्षेत्र की विशेषताओं, कार्यक्रमों की प्रकृति, और सबसे महत्वपूर्ण रूप से, लोगों और समुदायों के साथ उसके संबंधों पर आधारित होनी चाहिए।

नौ प्रतिबद्धताएँ

संकट और असुरक्षित स्थिति में फंसे लोग और समुदाय...

1	अपने अधिकारों का प्रयोग कर सकते हैं और उन कार्यों और निर्णयों में भाग ले सकते हैं जो उन्हें प्रभावित करते हैं।
2	अपनी विशेष आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुसार समय पर और प्रभावी समर्थन प्राप्त कर सकते हैं।
3	संभावित संकटों के लिए बेहतर तैयार और अधिक सक्षम हो सकते हैं।
4	ऐसा समर्थन प्राप्त कर सकते हैं जो लोगों या पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाए।
5	सुरक्षित रूप से चिंताओं और शिकायतों की रिपोर्ट कर सकते हैं और उनका समाधान प्राप्त कर सकते हैं।
6	समन्वित और पूरक समर्थन प्राप्त कर सकते हैं।
7	ऐसा समर्थन प्राप्त कर सकते हैं जो फीडबैक और सीख के आधार पर लगातार सुधारा जाता है।
8	ऐसे स्टाफ और स्वयंसेवकों के साथ बातचीत कर सकते हैं जो सम्मानजनक, सक्षम और अच्छी तरह से प्रबंधित हों।
9	उम्मीद कर सकते हैं कि संसाधनों का प्रबंधन नैतिक और जिम्मेदारीपूर्वक किया जाएगा।

संकट से प्रभावित लोग
1
अधिकारों का उपयोग कर सकते हैं और निर्णयों में भाग ले सकते हैं
2
समय पर और प्रभावी सहायता प्राप्त कर सकते हैं
3
बेहतर तरीके से तैयार और अधिक सक्षम होते हैं
4
ऐसा समर्थन प्राप्त कर सकते हैं जो लोगों या पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाए
5
चिंता और शिकायतों को सुरक्षित तरीके से रिपोर्ट कर सकते हैं
6
समन्वित और पूरक समर्थन प्राप्त कर सकते हैं
7
प्रतिक्रिया के आधार पर अनुकूलित समर्थन प्राप्त कर सकते हैं
8
सम्मानजनक, सक्षम और अच्छी तरह से प्रबंधित स्टाफ के साथ बातचीत कर सकते हैं
9
संसाधनों के नैतिक और जिम्मेदार प्रबंधन की अपेक्षा कर सकते हैं

प्रतिबद्धताएँ और आवश्यकताएँ

प्रतिबद्धता 1

लोग और समुदाय अपने अधिकारों का उपयोग कर सकते हैं और उन कार्रवाइयों और निर्णयों में भाग ले सकते हैं जो उन्हें प्रभावित करते हैं।

आवश्यकताएँ

1.1 संगठन के काम में विविधता, समानता, और समावेशिता को पूरी तरह से शामिल करें, और विशेष रूप से सबसे उपेक्षित लोगों और समुदायों की जरूरतों पर ध्यान दें।

1.2 नियमित रूप से लोगों और समुदायों के साथ समय पर संबंधित जानकारी साझा करें, जिसमें संगठन की प्रतिबद्धताओं और जिम्मेदारियों के संदर्भ में उनके अधिकारों के बारे में जानकारी शामिल हो।

1.3 लोगों और समुदायों के लिए ऐसे भाषा और प्रारूपों में संवाद करें जो आसानी से समझ में आने वाले, सम्मानजनक, और उनके संदर्भ के अनुसार उपयुक्त हों।

1.4 सुनिश्चित करें कि निर्णयों और कार्यों में लोगों की भागीदारी उनके लिए सार्थक हो और यह उनके पसंदीदा तरीकों से मेल खाती है।

1.5 लोगों और समुदायों की प्रतिनिधित्व करने वाली संचार सामग्री, जिसमें वकालत और धनसंग्रह के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री शामिल है, उनकी सूचित सहमति से होनी चाहिए, सटीक, सम्मानजनक, नैतिक होनी चाहिए और उनकी गरिमा की रक्षा करनी चाहिए।

1.6 एक स्पष्ट संगठनात्मक दृष्टिकोण स्थापित करें ताकि जानकारी को पारदर्शी ढंग से साझा किया जा सके, संचार को सुधार सके और लोगों और समुदायों की भागीदारी को सुनिश्चित कर सके, ताकि वे उन कार्रवाइयों और निर्णयों में शामिल हो सकें जो उन्हें प्रभावित करते हैं।

प्रतिबद्धता 2

लोग और समुदाय अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुसार समय पर और प्रभावी सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

आवश्यकताएँ

2.1 स्थानीय ज्ञान, क्षमताओं, और मौजूदा क्रियाओ का सम्मान करते हुए कार्यक्रमों की योजना बनाएं और क्रियान्वित करें।

2.2 संगठन द्वारा समर्थित कार्यक्रमों और लोगों या समूहों को परिभाषित करने के लिए निष्पक्ष, निष्पक्ष और पारदर्शी मानकों का उपयोग करें।

2.3 कार्यक्रमों की नियमित निगरानी और समायोजन करें, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सभी कार्य समय पर, सुलभ और लोगों व समुदायों की प्राथमिक आवश्यकताओं के अनुरूप हों।

2.4 लोगों और समुदायों के साथ संगठन के काम में प्रासंगिक तकनीकी मानकों को लागू करें और मान्यता प्राप्त अभ्यास का अनुपालन करें।

2.5 किसी भी अपूर्ण प्राथमिक आवश्यकताओं को संबंधित हितधारकों के पास भेजें, जिनके पास उन्हें पूरा करने के लिए आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञता और क्षमता हो।

2.6 समाज और समुदायों की भिन्न-भिन्न क्षमताओं, कमजोरियों, ज़रूरतों और खतरों को समझते हुए, और सबसे ज़्यादा वंचित लोगों पर विशेष ध्यान देते हुए, सहायता प्रदान करने के लिए एक संगठित और समन्वित दृष्टिकोण स्थापित करें जो संदर्भ और संस्कृति की समझ पर आधारित हो।

प्रतिबद्धता 3

लोग और समुदाय संभावित संकटों के लिए बेहतर तैयार और अधिक सक्षम हो सकते हैं।

आवश्यकताएँ:

3.1 लोगों और समुदायों की क्षमता बढ़ाने के लिए सार्वजनिक और स्थानीय नेतृत्व के साथ-साथ उनके अपने प्रयासों का समर्थन करें।

3.2 संभावित संकट या आपदाओं के जोखिमों को पहचानने और कम करने के लिए स्थानीय क्षमताओं को सशक्त करें और समर्थन दें।

3.3 ऐसे कार्यक्रमों की योजना बनाएं और उन्हें लागू करें जो लोगों के जीवन, आजीविका, स्थानीय अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पर लंबे समय तक सकारात्मक प्रभाव डालें।

3.4 लोगों और समुदायों के साथ काम की शुरूआत से ही संसाधनों और निर्णयों की स्थानीय स्वामित्व का समर्थन करें।

3.5 स्थानीय स्तर पर संचालित कार्यों और निर्णय लेने में सहायता को मजबूत बनाने के लिए एक सुसंगत संगठनात्मक दृष्टिकोण स्थापित करें।

प्रतिबद्धता 4

लोग और समुदाय ऐसा समर्थन प्राप्त कर सकते हैं जो लोगों या पर्यावरण को नुकसान न पहुंचाए।

आवश्यकताएँ:

4.1 कार्यक्रमों के लोगों और समुदायों पर संभावित और वास्तविक नकारात्मक प्रभावों की पहचान करना, उनका रोकथाम, कम करना और उनका समाधान करना।

4.2 पर्यावरण पर कार्यक्रमों के संभावित और वास्तविक नकारात्मक प्रभावों की पहचान करना, उन्हें रोकना, कम करना और उनका समाधान करना।

4.3 लोगों और समुदायों के लिए जोखिम को कम करने के लिए पहचाने गये अच्छे अभ्यासों के अनुसार डेटा और जानकारी को सुरक्षित, नैतिक और प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित करें।

4.4 यह सुनिश्चित करने के लिए एक सुसंगत संगठनात्मक दृष्टिकोण स्थापित करें कि संगठन ऐसे तरीकों से काम करे जो लोगों और समुदायों की सुरक्षा, संरक्षण, अधिकारों और सम्मान की रक्षा करे और मान्यता प्राप्त अच्छे अभ्यास के अनुरूप कर्मचारियों और स्वयंसेवकों द्वारा यौन शोषण, दुर्व्यवहार और उत्पीड़न सहित सभी प्रकार के शोषण और दुर्व्यवहार को रोके।

4.5 संगठनात्मक दृष्टिकोण स्थापित करें ताकि संगठन और उसके कार्य के नकारात्मक पर्यावरणीय प्रभावों को कम किया जा सके, जो मान्यताओं के अनुसार अच्छी प्रथाओं के साथ मेल खाता है।

प्रतिबद्धता 5

लोग और समुदाय सुरक्षित रूप से चिंताओं और शिकायतों की रिपोर्ट कर सकते हैं और उनका समाधान प्राप्त कर सकते हैं।

आवश्यकताएँ:

5.1 प्रामाणिक अच्छे अभ्यास के अनुरूप समुदाय के सभी समूहों के लिए फीडबैक प्रदान करने तथा चिंताओं और शिकायतों की रिपोर्ट करने के लिए सुरक्षित, सुलभ और उचित तरीकों की योजना बनाएं और उन्हें लागू करें।

5.2 यह नियमित रूप से सुनिश्चित करें कि लोग और समुदाय यह समझें कि यौन शोषण, दुर्व्यवहार, और उत्पीड़न जैसे हानिकारक व्यवहारों को रोकने के लिए कर्मचारियों और स्वयंसेवकों से किस प्रकार की अपेक्षा की जाती है।

5.3 नियमित रूप से यह सुनिश्चित करें कि लोग, समुदाय और अन्य संबंधित हितधारक यह समझें कि चिंताओं और शिकायतों को कैसे दर्ज करें, और उनका समाधान कैसे किया जाएगा।

5.4 प्रामाणिक अच्छे व्यवहार के अनुसार शिकायतों का प्रबंधन, जांच, समाधान या उचित कार्यवाई करें।

5.5 यौन शोषण, दुर्व्यवहार और उत्पीड़न सहित किसी भी दुर्व्यवहार की शिकायतों और रिपोर्टों की जांच और समाधान के लिए उपयुक्त पीड़ित/ बंचाव केंद्रित दृष्टिकोण लागू करें।

5.6 किसी भी चिंता और शिकायत का स्वागत किया जाए और समय से उसपर उचित तरीके से कार्रवाई की जाए, इसे सुनिश्चित करने के लिए एक संगठनात्मक दृष्टिकोण स्थापित किया जाना चाहिए।

प्रतिबद्धता 6

लोग और समुदाय समन्वित और पूरक समर्थन प्राप्त कर सकते हैं।

आवश्यकताएँ:

6.1 सुनिश्चित करें कि संगठन का कार्य स्थानीय नेतृत्व और समुदाय-आधारित प्रयासों के साथ-साथ संबंधित हितधारकों की गतिविधियों के साथ समन्वित और पूरक हो।

6.2 साथी संगठनों को इस बात के लिए सहयोग दें कि वे कार्य के सभी चरणों में लोगों और समुदायों के प्रति गुणवत्ता और जवाबदेही की प्रतिबद्धताओं का पालन कर सकें।

6.3 साथी संगठनों के बीच संबंधों की गुणवत्ता और प्रभावशीलता का नियमित रूप से मूल्यांकन करें, और आवश्यक होने पर सुधारात्मक कदम उठाएं।

6.4 एक संगठित संगठनात्मक दृष्टिकोण स्थापित करें जो सहयोग और साझेदारी को सुनिश्चित करता हो, जिसमें न्यायसंगत निर्णय लेने, संसाधनों के साझा करने की प्रतिबद्धता हो, और प्रत्येक साथी की विशेषताओं, भूमिकाओं और जिम्मेदारियों का सम्मान किया जाए।

प्रतिबद्धता 7

लोग और समुदाय ऐसा समर्थन प्राप्त कर सकते हैं जो फीडबैक और सीख के आधार पर लगातार सुधारा जाता है।

आवश्यकताएँ:

7.1 संगठन और उसके कार्यों के बारे में लोगों और समुदायों से प्राप्त फीडबैक और सुझावों को नियमित रूप से सुनें और उनका त्वरित जवाब दें।

7.2 निर्णय लेने के लिए अलग-अलग डेटा एकत्र करें जो लोगों और समुदायों की विविधता को दर्शाता हो, और जो उन पर कम से कम बोझ डालने के तरीकों को अपनाता हो।

7.3 निर्णय लेने में मार्गदर्शन करने तथा कार्यक्रमों और संगठन के काम करने के तरीकों में सुधार करने के लिए निगरानी, फीडबैक, शिकायतों और सीखने से प्राप्त डेटा का उपयोग करें।

7.4 संगठन द्वारा समर्थित लोगों, समुदायों ,और संबंधित हितधारकों के साथ फीडबैक और निगरानी से प्राप्त विश्लेषण और सीख साझा करें, साथ ही किसी भी संबंधित बदलावों को भी साझा करें।

7.5 गुणवत्ता और जवाबदेही के प्रति प्रतिबद्धताओं को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए निरंतर सीखने और कार्यों में सुधार को सुनिश्चित करने के लिए एक व्यवस्थित संगठनात्मक दृष्टिकोण स्थापित करें।

प्रतिबद्धता 8

लोग और समुदाय ऐसे स्टाफ और स्वयंसेवकों के साथ बातचीत कर सकते हैं जो सम्मानजनक, सक्षम और अच्छी तरह से प्रबंधित हों।

आवश्यकताएँ:

8.1 नेतृत्वकर्ता, कर्मचारी और स्वयंसेवक मिलकर गुणवत्ता और जवाबदेही की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं और उसे दर्शाते हैं।

8.2 सभी कर्मचारियों और स्वयंसेवकों की सुरक्षा, बचाव, कल्याण और सम्मान की रक्षा के लिए उपाय करते हुए एक सुरक्षित और समावेशी कार्य वातावरण बनाए रखें।

8.3 सुनिश्चित करें कि सभी कर्मचारियों और स्वयंसेवकों को अपनी भूमिका और जिम्मेदारियों को प्रभावी ढंग से और जवाबदेही के साथ पूरा करने के लिए आवश्यक सहयोग, कौशल और क्षमताएं प्राप्त हों।

8.4 सुनिश्चित करें कि सभी कर्मचारी और स्वयंसेवक आचार संहिता को समझें और उसका पालन करें, जिसमें किसी भी प्रकार के शोषण, दुर्व्यवहार, उत्पीड़न, भेदभाव या संसाधनों के दुरुपयोग पर रोक हो।

8.5 सुनिश्चित करें कि सभी कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के लिए सुरक्षित, गोपनीय और पहुंचने योग्य तरीके उपलब्ध हों, जिनके माध्यम से वे अपनी चिंताओं को व्यक्त कर सकें और दुर्व्यवहार की रिपोर्ट कर सकें, और रिपोर्ट करने वालों की उचित सुरक्षा हो।

8.6 समय पर उचित कार्रवाई करें ताकि प्रमाणित अच्छे अभ्यासों के अनुसार कर्मचारियों और स्वयंसेवकों के दुर्व्यवहार का निवारण किया जा सके।

8.7 एक संगठित दृष्टिकोण स्थापित करें ताकि मानव संसाधनों का प्रबंधन न्यायसंगत, भेदभावरहित और पारदर्शी तरीके से, प्रमाणित अच्छे अभ्यासों के अनुरूप किया जा सके।

प्रतिबद्धता 9

लोग और समुदाय उम्मीद कर सकते हैं कि संसाधनों का प्रबंधन नैतिक और जिम्मेदारीपूर्वक किया जाएगा।

आवश्यकताएँ:

9.1 संगठन की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

9.2 प्रमाणित अच्छे अभ्यासों के अनुरूप वित्तीय संसाधनों का जिम्मेदारी से प्रबंधन करें।

9.3 निश्चित करें कि धन जुटाने, संसाधन एकत्र करने और वित्त आवंटन की प्रक्रिया नैतिक हो और संगठन की प्रतिबद्धताओं व मूल्यों को कमजोर न करे।

9.4 संसाधनों का प्रबंधन और उनका उपयोग उनके इच्छित उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए करें, और साथ ही अपशिष्ट और पर्यावरणीय प्रभाव को कम से कम रखें।

9.5 संगठन के सभी स्तरों पर जोखिमों की पहचान, रोकथाम और प्रबंधन करें, जिसमें भ्रष्टाचार, धोखाधड़ी, संसाधनों का दुरुपयोग और हितों के टकराव शामिल हैं, और इनकी पहचान होने पर उचित कार्रवाई करें।

9.6 यह सुनिश्चित करने के लिए एक संगठित दृष्टिकोण स्थापित करें कि संसाधनों का प्रबंधन कुशल, प्रभावी और नैतिक तरीके से हो।

सीएचएस के उपयोग के संबंध में दावे

किसी भी व्यक्ति या संगठन, जो संकट और असुरक्षा की स्थिति में लोगों और समुदायों की सहायता कर रहा है, को CHS (कोर ह्यूमैनिटेरियन स्टैंडर्ड) को अपनाने और उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। वे यह कह सकते हैं: "हम सीएचएस के अनुप्रयोग की दिशा में काम कर रहे हैं।" मानक के अनुरूप होने या उसका पालन करने संबंधी अन्य दावे केवल तभी किए जा सकते हैं, जब एक मान्यता प्राप्त और वस्तुनिष्ठ सत्यापन प्रक्रिया के अनुरूप हों।

शब्दकोष

सीएचएस के लिए, निम्नलिखित परिभाषाएँ लागू होती हैं:

जवाबदेही: यह एक प्रक्रिया है जिसमें शक्ति का उपयोग जिम्मेदारीपूर्ण रूप से किया जाता है, और विभिन्न हितधारकों के द्वारा खासकर उन लोगों द्वारा जिन्हें ऐसी शक्ति का प्रयोग प्रभावित करता है, उन लोगों के द्वारा जांचा जाता है और जिम्मेदारी में रखा जाता है। जवाबदेही का मतलब उन लोगों और समुदायों को निर्णयों के केंद्र में रखना है जो उन पर प्रभाव डालते हैं, जैसा कि सीएचएस के नौ प्रतिबद्धताओं में वर्णित है।

विविधता: लोगों के बीच उनकी पहचान, पृष्ठभूमि, अनुभव, दृष्टिकोण और विशेषताओं के संदर्भ में मतभेदों की उपस्थिति। इन मतभेदों में नस्ल, जातीयता, लिंग, आयु, यौन अभिविन्यास, सामाजिक आर्थिक स्थिति, योग्यता/अक्षमता, धार्मिक विश्वास और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि जैसे कारक शामिल हो सकते हैं, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

सुनिश्चित करना: इसका अर्थ है कि संगठन द्वारा आंतरिक समीक्षा, निरीक्षण और नियंत्रण की कुछ हद तक व्यवस्था हो ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रतिबद्धताएं पूरी की जा रही हैं।

समानता: ऐसी स्थिति जहाँ व्यक्तियों या समूहों के साथ उनकी विशेष आवश्यकताओं के अनुसार उचित व्यवहार किया जाता है।

स्थापित संगठनिक संगठनात्मक दृष्टिकोण: किसी संगठन के अंदर अनुपालन किए गए योजनाओं, सिद्धांतों, और व्यवस्थाओं को संरचित और व्यवस्थित तरीके से स्थापित करना, जो संगठन के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं पर आधारित हैं और उसकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए निरंतर अनुपालन किया जाता है।

समावेश: यह जानबूझकर और सक्रिय प्रयास होता है जिसमें विभिन्न पृष्ठभूमियों और विभिन्न पहचानों वाले व्यक्तियों के पूर्ण भागीदारी का सम्मान, मूल्यांकन और सहयोग करने के लिए माहौल और अभ्यास बनाने का प्रयास होता है।

सबसे अधिक हाशिये पर: किसी भी संदर्भ में ऐसा कोई व्यक्ति जो अपनी पहचान, पृष्ठभूमि, अनुभव, दृष्टिकोण और विशेषताओं के कारण भेदभाव का शिकार होने या उसे अनुभव करने के जोखिम में रहता है।

संगठन: एक इकाई या व्यक्ति जिसके पास विधि एवं संपूर्णता के साथ सीएचएस को लागू करने के लिए संसाधन हैं। इसमें शामिल हैं, लेकिन सीमित नहीं हैं, किसी भी समुदाय-आधारित संरचना, नागरिक समाज संगठन, अल्पहित या गैर-लाभकारी संगठन, निजी क्षेत्र की कंपनी, या सार्वजनिक प्राधिकरण, अंतरराष्ट्रीय संगठन, संघ या अन्य संगठन जो स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहे हैं।

प्रक्रिया: एक निश्चित कार्य या लक्ष्य को संपन्न करने के लिए आवश्यक एक्शन, उपकरण और संसाधन। ये संदर्भ और कार्यक्षमता के आधार पर अधिक या कम औपचारिक हो सकते हैं।

भागीदारी: वे प्रक्रियाएँ और गतिविधियाँ जो लोगों और समुदायों को उन सभी निर्णय लेने वाली प्रक्रियाओं में सक्रिय भूमिका निभाने की अनुमति देती हैं जो उन्हें प्रभावित करती हैं। सार्थक भागीदारी में सभी समूह शामिल होते हैं, जिनमें सबसे कमज़ोर और हाशिए पर पड़े लोग भी शामिल हैं और इसे लोगों की विशेष ज़रूरतों और प्राथमिकताओं के अनुसार आयोजित किया जाता है।

संकट और असुरक्षा की स्थितियों में लोग और समुदाय: विभिन्न आवश्यकताओं, भेद्यताओं और क्षमताओं वाले महिलाओं, पुरुषों, लड़कियों और लड़कों का समूह जो आपदाओं, संघर्ष, गरीबी या अन्य संकटों और चुनौतियों से प्रभावित होते हैं।

गुणवत्ता: विशेषताओं का एक समूह जो यह सुनिश्चित करता है कि लोगों और समुदायों को प्रदान किया गया समर्थन उनकी निहित या बताई गई आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को पूरा करता है तथा लोगों की गरिमा का सम्मान करता है।

लचीलापन (रेजिलिएंस): किसी व्यक्ति या समुदाय की खतरों के प्रति प्रतिरोध करने, उन्हें आत्मसात करने, समायोजित करने और खतरों के प्रभावों से समय पर और कुशल तरीके से उबरने की क्षमता है।

संसाधन: संगठन को अपने मिशन को पूरा करने के लिए जिन चीज़ों की आवश्यकता होती है, उनमें प्राकृतिक, मानवीय, वित्तीय, पूंजीगत, तकनीकी और सूचनात्मक शामिल हैं, परंतु इन्हीं तक सीमित नहीं हैं।

अधिकार: लोगों को सम्मान के साथ जीवन जीने का अधिकार, समर्थन और सहायता प्राप्त करने का अधिकार तथा संरक्षण और सुरक्षा का अधिकार, जैसा कि मानवीय चार्टर में वर्णित है।

कर्मचारी और स्वयंसेवक: संगठन का कोई नामित प्रतिनिधि, सहित, गवर्नेंस और नेतृत्व, स्थायी या अस्थायी कर्मचारी और सलाहकार।

समर्थन: कोई भी कार्य या गतिविधि जो कोई संगठन लक्ष्यों को प्राप्त करने, आवश्यकताओं को पूरा करने या चुनौतियों पर काबू पाने के लिए लोगों और समुदायों के साथ प्रदान करता या साझा करता है।

Core Humanitarian Standard

गुणवत्ता और जवाबदेही पर मुख्य मानवीय मानक (CHS)
नौ प्रतिबद्धताएं निर्धारित करता है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संगठन संकट और असुरक्षा से प्रभावित लोगों और समुदायों को उनके अधिकारों और सम्मान का सम्मान करते हुए सहायता प्रदान करें तथा उनके सामने आने वाले संकटों का समाधान ढूंढने में उनकी प्राथमिक भूमिका को बढ़ावा दें।

chs@chsalliance.org

www.corehumanitarianstandard.org